2019

M.A.

4th Semester Examination

HINDI

PAPER – HINDI-401

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their Own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 4×2=8

क) चिंतामणि के कितने भाग हैं? भाग - 1 में संकलित निबंध किस कोटि के हैं?

ख) 'वह समकालीन हिन्दी साहित्य के संत लेखक थे'। - यह किसकी उक्ति है और किसके प्रति है?

ग) 'स्मृति की रेखाएँ' में कितने पाठ संकलित हैं और प्रथम पाठ का नाम लिखिए।

घ) नवाज़िदा - वाज़िंदा कौन हैं? राहुल पर इन का किस तरह का प्रभाव पड़ा?

ङ) "कटि गेल कासी-कुशी छितरी गेल थम्हवा" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

च) "वैष्णव की फिसलन" पाठ की चार विशेषताएँ लिखिए।

छ) 'क्रोध' के प्रेरक दो प्रकार के दुःख क्या हैं?

ज) "ऐसे विषम प्रतिद्वन्द्वियों की स्थिति कल्पना में भी दुर्लभ है।" यहाँ विषम "प्रतिद्वन्द्वियों" का अर्थ स्पष्ट कीजिए

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर यथा निर्देश दीजिए- 4×4=16

क) गाँव के कितने स्त्री-बच्चे-बूढ़े अपनी खपरैलों पर भयभीत बैठे हैं, छत के नीचे तीन-तीन चार-चार हाथ पानी है, और अब वह बढ़ रहा है। दीवार किसी वक्त भी बैठ जाने वाली है, और उस रात को डूबने से बचने की बहुत कम को आशा है, ऐसी भीषण अवस्था में एक आदमी जान बचाने के लिए मिली नाव से अपना भुस ढो रहा है।

..... यह अंश किस पाठ का है और इसमें वर्णित स्थितियों का ससन्दर्भ विश्लेषण कीजिए।

ख) ज़िस प्रकार लोगों को हंसाने के लिए कुछ लोग मूर्ख या बेवकूफ़ बनते हैं, उसी प्रकार चिड़चिड़े भी। मूर्खता मूर्ख को चाहे रुलाए, पर दुनिया को तो हँसाती ही है। मूर्ख हास्य रस के बड़े प्राचीन आलंवन है
..... इस अंश का निहितार्थ सप्रसंग स्पष्ट कीजिए।

ग) 'वैराग्य का भूत' का मूल प्रतिपाद्य लिखिए

घ) 'अकाल उत्सव' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

ङ) 'रत्तू सिंह मर जाएगा तो क्या होगा? इतने लोग मर गये तो क्या-क्या हुआ? ... क्या होगा? कुछ नहीं होगा।'
..... इस अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

च) 'चीनी फेरीवाला' में महादेवी वर्मा के अनुसार स्मरण रखने योग्य कौन सी विशेषताएँ है ... लिखिए।

छ) 'बाढ़-1975' के अंतर्गत 'कुत्ते की आवाज़' पाठ की संवेदना पर विचार कीजिए।

ज) आनंद की सिद्धावस्था को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×8=16

क) 'ऋणजल धनजल' में व्यापक मानवीय पीड़ा बोध की अकथ कथा वर्णित है" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

ख) 'चित्रकूट की छाया में' के मार्मिक स्थलों का वर्णन कीजिए।

ग) 'आनंद की साधनावस्था' की वैचारिकता पर प्रकाश डालिए।

घ) 'ठकुरी बाबा' की साहित्यिक विशेषताओं का रेखांकन कीजिए।